

प्रेस विज्ञप्ति

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने अपने निजी क्लाउड प्लेटफॉर्म "महाबैंक नक्षत्र" को लाइव किया

पुणे, 17 मार्च, 2023: बैंक ऑफ महाराष्ट्र देश के सार्वजनिक क्षेत्र का अग्रणी बैंक है। बैंक ने अपने निजी क्लाउड प्लेटफॉर्म - "महाबैंक नक्षत्र" के लॉन्च के साथ ही निजी क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कदम रखा है। यह बैंक के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और होस्टिंग अनुप्रयोगों के लिए हाई-परफॉर्मेंस क्लाउड क्षमताओं की सुविधा प्रदान करता है।

इस अवसर पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र के एमडी एवं सीईओ श्री ए.एस. राजीव ने कहा कि "क्लाउड टेक्नोलॉजी को अपनाना समय की मांग है और बैंक ने "सुविधा - क्षमता और अनुभव" प्राप्त करने तथा अपनी डिजिटल सेवाओं को मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए इस प्लेटफॉर्म को अपनाया है। श्री ए.एस. राजीव ने कहा कि "इन्फ्रास्ट्रक्चर में संवर्धन डिजिटलीकरण को बढ़ावा देगा और हमारे ग्राहकों को सेवा सुपुर्दगी की सुविधा के साथ बैंक के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन प्रयासों को बढ़ावा देते हुए नए अवसर प्रदान करेगा।"

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कार्यपालक निदेशक श्री आशीष पाण्डेय ने कहा कि "हमारा अपना निजी क्लाउड प्लेटफॉर्म, सतत उपायों के साथ ग्राहक केंद्रितता और नवोन्मेष के उच्च स्तर को प्राप्त करने की दिशा में हमारे डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के संवर्धन की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यह अगली पीढ़ी के तकनीकी समावेशन के साथ कार्य निष्पादन और विश्वसनीयता में और वृद्धि करेगा। श्री आशीष पाण्डेय ने कहा, "क्लाउड टेक्नोलॉजी के माध्यम से परिचालन दक्षता को उन्नत करने के साथ-साथ डिजिटल सुपुर्दगी तंत्र में संवर्धन की हमारी योजना है, जो हमारा प्राथमिक उद्देश्य है।"

नक्षत्र - बैंक ऑफ महाराष्ट्र की अपनी निजी क्लाउड और वर्चुअलाइजेशन टेक्नोलॉजी है, जिसका निर्माण बैंक के वर्तमान एप्लीकेशन की तुलना में दोगुने एप्लीकेशन्स को होस्ट करने के लिए किया गया है। यह बैंक के डिजिटल एप्लीकेशन होस्ट करने के लिए सुपर फ्लेक्सिबिलिटी, मापनीयता, बेहतर सुरक्षा के साथ अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराता है। नक्षत्र को बेहतर गति, NSX-T, सभी फ्लैश vSAN स्टोरेज, 2X कम्प्यूटेशन व 3X स्टोरेज के साथ आकार दिया गया है, ताकि यह आगामी 3 वर्षों के लिए बैंक की डिजिटल यात्रा का वर्कलोड वहन करते हुए प्रगति पथ पर बढ सके।

चूंकि नक्षत्र ऑटोमेशन, वर्चुअलाइजेशन, कंट्रोल लेयर से लैस है, अतः बैंक सॉफ्टवेयर-डिफाईंड नेटवर्किंग (एसडीएन), सॉफ्टवेयर-डिफाईंड स्टोरेज (एसडीएस) और नेटवर्क फंक्शन वर्चुअलाइजेशन (एनएफवी) को आगे बढ़ाते हुए आर्किटेक्चर क्षमता के आरंभ हेतु भी तत्पर है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र स्वयं को, नेक्स्ट जनरेशन, डिजिटल सैवी बैंक के रूप में स्थापित करने के लिए लगातार अपने तकनीकी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लेटफॉर्म का संवर्धन कर रहा है और क्लाउड एडाप्शन बैंक को तकनीकी समाधानों के शीघ्र कार्यान्वयन में सक्षम बनाएगा।